नईदुनिया

खास-खबरें

राष्ट्रीय एकता शिविर में शीतल तंवर ने किया जिले का प्रतिनिधित्व



नईदुनिया, प्रतिनिधि, खरगोनः शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविका शीतल तंवर ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में जिले और देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर का प्रतिनिधित्व कर गौरव बढ़ाया। शिविर से लौटने पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जीएस चौहान ने पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका स्वागत एवं सम्मान किया। सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर 21 से 27 अक्टूबर तक हरियाणा के रोहतक स्थित महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया था। इसमें शीतल ने मध्यप्रदेश की गौरवशाली विरासत और लोकनायिका पुण्यश्लोका मां अहिल्याबाई होलकर के जीवन पर आधारित चित्रांकन किया। साथ ही उनके जीवन से जुड़ी प्रेरणादायक कहानियों का प्रस्तुतीकरण भी किया। जिला संगठक अधिकारी डॉ. सुरेश अवासे और महिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सावित्री भगोरे ने भी शीतल की उपलब्धि को महाविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण बताया।

बोहरा धर्मगुरु सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन के आगमन की तैयारियां शुरू



नईदुनिया, प्रतिनिधि, बड़वाहः बोहरा समाज के सर्वोच्च धर्मगुरु परम श्रद्धेय सैयदना डॉ. मुफद्दल सैफुद्दीन साहब के प्रस्तावित बड़वाह आगमन को लेकर समाजजनों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। उनके आगमन और प्रस्तावित कार्यक्रम के दौरान आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर समाज के प्रतिनिधिमंडल ने तहसीलदार से मुलाकात की। इस अवसर पर मुर्तजा अली मैमून, बुरहानुद्दीन टीन वाला, जूजर अली, युसूफ भाई खूट वाले, नजर बादशाह, कुरेश टीन वाला, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अनिल राय और पार्षद अनिल कानूनगो सहित अन्य समाजजन उपस्थित रहे।

इटारसी के नवीन बस स्टैंड से बसों का संचालन शुरू, 10 से अधिक अवैध ऑटो जब्त



नईदुनिया, प्रतिनिधि, इटारसीः नवीन बस स्टैंड से स्थानीय बसों का संचालन शुक्रवार से दोबारा शुरू हो गया। आरटीओ प्रमोद कापसे ने बस स्टैंड का निरीक्षण कर स्थानीय बस संचालकों से चर्चा की। इसके बाद पिछले कुछ दिनों से बंद पड़ी सभी स्थानीय बसों का संचालन नवीन बस स्टैंड से प्रारंभ करा दिया गया। आरटीओ ने बताया कि नवीन बस स्टैंड से रेलवे स्टेशन और बाजार क्षेत्र तक जाने वाले ऑटो का निर्धारित किराया जल्द जारी किया जाएगा, ताकि यात्रियों को किराये को लेकर परेशानी न हो। इधर, इटारसी से जमानी सहित अन्य मार्गों पर नगर पालिका सीमा के बाहर सवारियां ले जाने वाले अवैध ऑटो के संचालन की शिकायतों पर आरटीओ ने कार्रवाई की।

धनतेरस पर मंडी में सफेद सोने की बंपर आवक, 8800 रुपये तक बिका कपास



नईदुनिया, प्रतिनिधि, बड़वाहः धनतेरस के पर्व पर कृषि उपज मंडी बड़वाह में कपास की अच्छी आवक रही। कपास के बेहतर भाव मिलने से किसानों के चेहरों पर खुशी नजर आई। मंडी में कपास की अधिकतम बोली 8800 रुपये तक पहुंची। इस अवसर पर कॉटन व्यापारियों ने किसानों को धनतेरस पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इसके बाद किसानों के कपास की बोली लगाकर खरीदी की गई। अच्छे दाम मिलने से किसानों में उत्साह देखा गया। कपास खरीदी के दौरान कॉटन व्यापारी राजेश मित्तल, ताराचंद, कमल, विकास जैन, वैभव गोयल एवं प्रांजल जैन सहित मंडी कर्मचारी सुरेश शर्मा, गौरव पटेल और राम जोशी उपस्थित रहे।

धनतेरस पर बाजार में बरसा धन, सराफा, ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स में करोड़ों का कारोबारराहुल



नईदुनिया, प्रतिनिधि, खरगोनः बछ बारस और धनतेरस के विशेष संयोग पर शहर के बाजारों में जमकर खरीदारी हुई। सुबह से देर शाम तक एमजी रोड से किला गेट तक बाजारों में ग्राहकों की भीड़ रही। स्थिति यह रही कि करीब एक किलोमीटर के मार्ग को पार करने में लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा।

दुकानदारों के अनुसार इस बार ग्राहक खुलकर खरीदारी कर रहे हैं। सराफा, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और बर्तन बाजार में करोड़ों रुपये का कारोबार हुआ। कई ग्राहकों ने पहले से ही वाहन, जेवर और अन्य सामान की बुकिंग करवा रखी थी। ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए दुकानदारों ने विभिन्न उपहार योजनाएं, आकर्षक ऑफर और लकी ड्रॉ भी रखे हैं। सराफा कारोबारियों के अनुसार सोने-चांदी की कीमतों में तेजी के बावजूद खरीदारी का उत्साह बना रहा। हालांकि, इस बार कम वजन के आभूषणों की मांग अधिक रही। इसके अलावा भगवान लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियों और चांदी के सिक्कों की भी जमकर बिक्री हुई।

मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना से ग्रामीणों को मिलेगा घरों का मालिकाना हक : तनवे

धनोरा में 52 रजिस्ट्री का लक्ष्य, अब तक 38 पंजीयन पूरे; विधायक ने स्वयं भी कराई रजिस्ट्री



नईदुनिया प्रतिनिधि, खंडवाः मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना के माध्यम से ग्रामीण परिवारों को उनके घरों का वैधानिक मालिकाना हक दिलाने की पहल की जा रही है। इसी क्रम में विधायक कंचन मुकेश तनवे शुक्रवार को अपने गृह ग्राम धनोरा में आयोजित नि:शुल्क रजिस्ट्री पंजीयन अभियान में शामिल हुईं। उन्होंने ग्रामीणों को योजना की जानकारी देते हुए इसका लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान विधायक ने स्वयं भी अपनी रजिस्ट्री का पंजीयन करवाया।

विधायक तनवे ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कई परिवार वर्षों से अपने घरों में निवास कर रहे हैं, लेकिन उनके पास मालिकाना हक साबित करने वाले वैधानिक दस्तावेज नहीं हैं। ऐसे परिवारों की समस्या को देखते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना के तहत नि:शुल्क पंजीयन अभियान शुरू किया है। उन्होंने कहा कि इस योजना से ग्रामीण परिवारों को उनके घरों का कानूनी मालिकाना हक मिलेगा। इसके साथ ही भविष्य में बैंक ऋण और अन्य वित्तीय सुविधाओं का लाभ लेने का रास्ता भी आसान होगा। यह पहल ग्रामीणों को आर्थिक सुरक्षा और आत्मविश्वास प्रदान करेगी।

ग्राम धनोरा में अभियान के तहत कुल 52 रजिस्ट्री पंजीयन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें से अब तक 38 रजिस्ट्रियां पूरी हो चुकी हैं। विधायक ने स्वयं पंजीयन कराकर ग्रामीणों को योजना के प्रति जागरूक किया।

कार्यक्रम का संचालन शैलेंद्र पवार ने किया। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री मुकेश तनवे, सतनाम सिंह होरा, तहसीलदार नितिन चौहान, नायब तहसीलदार विजय महाजन, राधेश्याम पवार, जनपद सदस्य संजय ओसवाल, सरपंच जयसिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

धनतेरस पर 104 परिवारों को मिला घर का मालिकाना हक



नईदुनिया प्रतिनिधि, बड़वाहः धनतेरस का पर्व ग्राम घोसला के 104 परिवारों के लिए खुशियों की सौगात लेकर आया। शुक्रवार को विधायक सचिन बिरला की उपस्थिति में स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन अभियान के तहत हितग्राही परिवारों को उनके घरों की नि:शुल्क रजिस्ट्री सौंपी गई। इसके साथ ही सनावद तहसील के ग्राम घोसला में शत-प्रतिशत रजिस्ट्री निष्पादन का लक्ष्य हासिल किया गया। एसडीएम सत्यनारायण दर्रो ने बताया कि अभियान के तहत 104 हितग्राही परिवारों को उनके मकानों का कानूनी मालिकाना हक प्रदान किया गया। वर्षों से अपने घर पर अधिकार मिलने की प्रतीक्षा कर रहे परिवारों में इस अवसर पर खुशी का माहौल रहा। मालिकाना हक मिलने पर हितग्राहियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त किया। विधायक सचिन बिरला ने कहा कि प्रदेश सरकार प्रत्येक बेघर परिवार को अपना घर उपलब्ध कराने के लिए संकल्पबद्ध है। इस अवसर पर तहसीलदार केसिया सोलंकी, पटवारी अलका गोलकर सहित जनप्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित रहे।

विकसित भारत के संकल्प में मील का पत्थर साबित होगी स्वामित्व योजना : सांसद



नईदुनिया प्रतिनिधि, नर्मदापुरमः ग्रामीण परिवारों को उनके आवास का कानूनी मालिकाना हक दिलाने के उद्देश्य से शुक्रवार को बनखेड़ी तहसील के ग्राम चांदौन में स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना के तहत विशेष शिविर आयोजित किया गया। ज्ञानदीप विद्यालय परिसर में आयोजित शिविर में सांसद दर्शन सिंह चौधरी, कलेक्टर आशीष वशिष्ठ, पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला और जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन उपस्थित रहे। सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि ग्राम चांदौन उनका पैतृक गांव है। यहां स्वामित्व योजना का क्रियान्वयन होते देख उन्हें प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में यह योजना मील का पत्थर साबित होगी। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने बताया कि ग्राम चांदौन में करीब 80 प्रतिशत पंजीयन कार्य पूरा हो चुका है। शेष 20 प्रतिशत कार्य भी जल्द पूरा किया जाएगा।

बागलखेड़ी में रजिस्ट्रेशन अभियान शुरू



विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बागलखेड़ी में शुक्रवार को राजस्व विभाग की स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना 2026 के तहत शत-प्रतिशत रजिस्ट्रेशन अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद माया नारोलिया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। सांसद माया नारोलिया ने कहा कि स्वामित्व योजना ग्रामीण परिवारों को उनके आवास का वैधानिक मालिकाना हक दिलाने की महत्वपूर्ण पहल है। इससे ग्रामीणों को आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा मिलेगी तथा वे आत्मनिर्भर बन सकेंगे। वर्षों से अपने घर के कानूनी दस्तावेज मिलने की प्रतीक्षा कर रहे परिवारों का सपना इस योजना से पूरा हो रहा है।

पटाखा दुकानें : सुरक्षा मानकों की अनदेखी से हादसे का खतरा

नईदुनिया प्रतिनिधि,आमलाः दीपावली के पर्व पर आमला की हवाई पट्टी पर लगी पटाखा दुकानों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी सामने आई है। प्रशासन द्वारा निर्धारित नियमों के बावजूद कई व्यापारियों ने आवंटित जगह से दोगुने से अधिक क्षेत्र में दुकानें लगा ली हैं। इससे पटाखा बाजार में आगजनी की आशंका बढ़ गई है।

दुकानों का आकार दोगुना, दूरी भी नहीं: प्रशासन ने पटाखा दुकानों के लिए अधिकतम 15म15 फीट यानी 225 वर्ग फीट का क्षेत्र निर्धारित किया था। साथ ही दो दुकानों के बीच कम से कम चार फीट की दूरी रखना और दुकानों के तीन तरफ टीन की चादरें लगाना अनिवार्य किया गया था। इसके बावजूद कई दुकानों में निर्धारित आकार का पालन नहीं किया जा रहा है। दुकानों के बीच आवश्यक दूरी भी नजर नहीं आ रही है।

अग्निशमन इंतजामों का अभाव: नियमों के अनुसार पटाखा दुकानों पर आग बुझाने के लिए रेत से भरी बाल्टियां और अग्निशमन यंत्र रखना जरूरी है। इसके बावजूद कई स्थानों पर ये इंतजाम दिखाई नहीं दे रहे हैं। कुछ दुकानों पर खुले में और अस्थायी त्रिपाल के सहारे पटाखों का भंडारण किया गया है। ऐसे में जरा सी चिंगारी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

प्रशासन की निगरानी पर सवाल: दुकानों के आकार और सुरक्षा व्यवस्था में कथित अनियमितताओं के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से प्रशासन की निगरानी पर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों ने व्यवस्था दुरुस्त करने और सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित कराने की मांग की है।

अविश्वास प्रस्ताव स्थगित होने पर कांग्रेस ने न्यायालय जाने का किया ऐलान

खंडवा। जिला पंचायत अध्यक्ष पिंकी वानखेड़े के खिलाफ 14 नवंबर को प्रस्तावित अविश्वास प्रस्ताव की कार्यवाही स्थगित होने पर कांग्रेस ने भाजपा और प्रशासन पर निशाना साधा है। शुक्रवार को गांधी भवन में आयोजित प्रेसवार्ता में कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि हार के डर से लोकतांत्रिक प्रक्रिया रोकी गई है। जिला पंचायत सदस्य मनोज भरतकर ने कहा कि भाजपा ने 4 नवंबर को लोकतंत्र बचाने की यात्रा निकाली और 5 नवंबर को लोकतंत्र की हत्या कर दी। उन्होंने आरोप लगाया कि जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 6 के उपचुनाव को आधार बनाकर अविश्वास प्रस्ताव की प्रक्रिया स्थगित की गई है।

नानकराम बरवाहे ने बताया कि सदस्यों की मांग पर संभागायुक्त ने 14 नवंबर को मतदान की तारीख तय की थी।

ऑल इंडिया मुशायरे में गीत-गजलों से महकी महफिल, नामचीन शायरों ने बाँधा समाँ



नईदुनिया प्रतिनिधि, छतरपुरः नगर पालिका परिषद द्वारा आयोजित स्वच्छ मेला जलविहार-2026 का समापन 5 नवंबर की रात नगर पालिका प्रांगण में आयोजित ऑल इंडिया मुशायरे के साथ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने शमा रोशन कर किया। इसके बाद शेरो-शायरी की महफिल सजी और देशभर से आए शायरों ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मुशायरे में दिल्ली के माजिद देवबंदी, फिरोजाबाद के हाशिम फिरोजाबादी, सहारनपुर के बिलाल सहारनपुरी, दिल्ली की अना देहलवी, देवास के इस्माईल नजर, चंदेरी के असरार चंदेरवी, कन्नौज के मशकूर ममनून, उड़ीसा के नासिर फराज, राजपुर के बसीम राजपुरी, खतौली के अमजद आतिश, फिरोजाबाद के जीरो बांदवी, कोटा की नैना नसीब और छतरपुर की शबरीह हाशमी ने अपनी नज्मों और गजलों से समां बांधा। श्रोताओं ने तालियों और वाह-वाह के साथ शायरों का उत्साह बढ़ाया। देर रात तक मुशायरे का दौर चलता रहा।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष ज्योति चौरसिया एवं पार्षदों ने शहरवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

मेले में लगे रंग-बिरंगे झूले, मीना बाजार, चौपाटी, बॉम्बे विकास प्रदर्शनी, पायल की झंकार, मथुरा के पेड़े, ग्वालियर की गजक और बुंदेली व्यंजनों ने भी लोगों को आकर्षित किया।

कार्यक्रम में जनाब महमूद खान, हाजी इब्राहीम साहब, डॉ. अब्दुल सत्तर, मो. सगीर हाशमी, डॉ. मोहम्मद सोएब रजा, इनायत अली, मंगल सिंह रावत सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी और मीडियाकर्मी उपस्थित रहे।

नवमतदाताओं को मतदान अधिकारों और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति किया जागरूक



नईदुनिया प्रतिनिधि, खरगोनः शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब (ईएलसी) द्वारा मतदान जागरूकता के उद्देश्य से निबंध और क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई।

निबंध प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने 'मतदाता सूचियों की शुद्धता का महत्व' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इसमें रोशनी मुजाल्दे प्रथम, निहारिका सुरागे ने द्वितीय और खुश्बू सिसोदिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

क्विज प्रतियोगिता में भारतीय निर्वाचन व्यवस्था, निर्वाचन आयोग की भूमिका, मतदान प्रक्रिया, मतदाता पंजीकरण और नागरिकों के अधिकार एवं कर्तव्यों से जुड़े प्रश्न पूछे गए। इसमें रोशनी मुजाल्दे प्रथम, दुरूप मुजाल्दे द्वितीय तथा निहारिका सुरागे और मेघा कमलेश पटेल संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जीएस चौहान ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती जागरूक और जिम्मेदार मतदाताओं पर निर्भर करती है। प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में होना और सूची की शुद्धता सुनिश्चित करना जरूरी है।

मतदान जागरूकता के नोडल अधिकारी डॉ. ओएस मेहता ने कहा कि नवमतदाता लोकतंत्र के महत्वपूर्ण सहभागी हैं। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकों का सहयोग रहा।

लक्ष्मी पूजन से पहले खेतों में होती है धरती मां की पूजा

सेमरी हरचंद। दीपावली का पर्व धन, धान्य और सुख-समृद्धि का प्रतीक है। इस अवसर पर जहां घरों में भगवान गणेश और माता लक्ष्मी का पूजन किया जाता है, वहीं जिला मुख्यालय के नौहर, पालनपुर, रोहना, पर्ररदे, भैंसादेह, चौतलाय और भल्लालय सहित कई गांवों में किसान पहले खेतों की पूजा करते हैं। किसानों का मानना है कि अन्न भंडार ही उनकी खुशहाली और देश की समृद्धि का आधार हैं। इसलिए लक्ष्मी पूजन से पहले धरती मां के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की जाती है। किसान अच्छी फसल की कामना के साथ खेतों में भूमि पूजन करते हैं। पूजन के लिए किसान मिट्टी के सात दीपक, घर में बने पकवान, मिठाई, हार-फूल, हल्दी और कुमकुम लेकर खेतों में पहुंचते हैं।

सफाई कर्मियों की हड़ताल के चलते जनप्रतिनिधियों ने सड़कों पर लगाई झाड़ू



नईदुनिया प्रतिनिधि, खुरईः अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सफाई कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल दूसरे दिन भी जारी रही। कर्मचारियों के काम पर नहीं लौटने से नगर की सफाई व्यवस्था प्रभावित हो गई और जगह-जगह कचरे के ढेर लग गए। स्थिति को देखते हुए पार्षदों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने स्वयं मोर्चा संभालते हुए सड़कों पर झाड़ू लगाई और सफाई अभियान चलाया। पूर्व मंत्री एवं विधायक भूपेंद्र सिंह की उपस्थिति में नगर की स्वच्छता व्यवस्था और आवश्यक सेवाओं को सामान्य बनाने के संबंध में चर्चा की गई। नागरिकों को परेशानी से बचाने के उद्देश्य से जनप्रतिनिधियों ने मुख्य बाजारों और प्रमुख मार्गों पर सफाई की।

स्पेशल खबर 12 को तीन किसानों और दो कृषि वैज्ञानिकों को मिलेगा कम्युनिटी अवॉर्ड, किसानों को मिलेगी 10 लाख रुपये की सम्मान राशि

बैतूल की विलुप्त होती पारंपरिक फसल को मिली राष्ट्रीय पहचान





नईदुनिया प्रतिनिधि, बैतूलः जिले के भीमपुर ब्लॉक के बटकी गांव से शुरू हुई गडमल की पारंपरिक दाल को बचाने की मुहिम अब राष्ट्रीय पहचान तक पहुंच गई है। कभी आदिवासी परिवारों की परंपरा और देवकाज का अहम हिस्सा रही यह दलहनी फसल धीरे-धीरे विलुप्त होने की कगार पर पहुंच गई थी। अब भारत सरकार के पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण ने इसे संरक्षण प्रदान किया है। आगामी 12 नवंबर 2026 को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में बैतूल के तीन किसानों और दो कृषि वैज्ञानिकों को कम्युनिटी अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। साथ ही फसल के संरक्षण और संवर्धन में योगदान देने वाले किसानों को कुल 10 लाख रुपये की सम्मान राशि दी जाएगी।

इस पारंपरिक फसल को पहचान दिलाने में जिले के वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक डॉ. रामकिशोर दयाराम पंवार की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने वर्ष 2007 से समाचार पत्रों और पत्रिकाओं के माध्यम से गडमल की दाल के विलुप्त होने का मुद्दा लगातार उठाया। उनकी पुस्तक 'मेरा बेतूल' में इस दुर्लभ फसल का उल्लेख होने के बाद कृषि वैज्ञानिकों का ध्यान इसकी ओर आकर्षित हुआ।

वर्ष 2022 में कृषि विज्ञान केंद्र बैतूल बाजार ने इसके संरक्षण और वैज्ञानिक अध्ययन की पहल शुरू की। तत्कालीन निदेशक एवं सेवानिवृत्त वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. विजय कुमार वर्मा और वर्तमान निदेशक डॉ. एसके तिवारी के मार्गदर्शन में किसानों की समिति बनाई गई। इसके तहत गडमल के बीजों के नमूने यानी जर्मप्लाज्म एकत्र कर जांच के लिए नेशनल ब्यूरो ऑफ प्लांट जेनेटिक रिसोर्सेज, नई दिल्ली भेजे गए। मार्च 2024 में इंडियन जर्नल ऑफ ट्रेडिशनल नॉलेज में प्रकाशित शोधपत्र में इसे बैतूल की विशिष्ट पारंपरिक फसल के रूप में दर्ज किया गया।

आदिवासी संस्कृति और परंपरा से जुड़ी है दाल: महाराष्ट्र सीमा से लगे बैतूल जिले के भीमपुर और दामजीपुरा क्षेत्र में रहने वाले आदिवासी एवं कोरकू समाज के लिए गडमल की दाल का विशेष धार्मिक और पारंपरिक महत्व है। किसान पीढ़ियों से इसकी खेती करते आ रहे हैं। इसका उपयोग देवकाज और पारंपरिक आयोजनों में किया जाता है। इससे दाल, वड़े और रोटी भी बनाई जाती है। इसके आटे से बने व्यंजन देवी-देवताओं को प्रसाद के रूप में अर्पित किए जाते हैं।

बीजों में 23.8 प्रतिशत प्रोटीन: वैज्ञानिक परीक्षण में गडमल के बीजों में 23.8 प्रतिशत प्रोटीन और 19.3 प्रतिशत डाइटरी फाइबर पाया गया है। डाइटरी फाइबर ब्लड शुगर नियंत्रित रखने और खराब कोलेस्ट्रॉल कम करने में सहायक होता है। इसके गुण काफी हद तक उड़द से मिलते-जुलते हैं। हालांकि, स्थानीय लोगों के अनुसार यह उड़द की तुलना में हल्की और पचने में आसान होती है।

30 गांवों में शुरू हुई खेती: गडमल की खेती बारिश के बाद अगस्त के अंतिम सप्ताह से सितंबर की शुरुआत तक की जाती है। वर्ष 2022 के बाद करीब 30 गांवों में इसकी खेती शुरू हो चुकी है। हालांकि, लगातार एक ही बीज का इस्तेमाल होने से फसल में पीला मोजेक रोग का प्रकोप बढ़ा है। इससे खेती का रकबा प्रभावित हो रहा है। कृषि विज्ञान केंद्र और दिल्ली की वैज्ञानिक संस्थाएं रोग प्रतिरोधक किस्में विकसित करने पर काम कर रही हैं।

जीआई टैग दिलाने की भी तैयारी: 12 नवंबर को दिल्ली में होने वाले समारोह में दो पुरुष और एक महिला किसान के साथ डॉ. विजय कुमार वर्मा और डॉ. एसके तिवारी को सम्मानित किया जाएगा। सम्मान राशि किसानों में वितरित की जाएगी। डॉ. एसके तिवारी के अनुसार राष्ट्रीय पहचान मिलने से गडमल के पारंपरिक बीजों को सुरक्षित करने, खेती का विस्तार करने और किसानों की आय बढ़ाने का रास्ता खुलेगा। जिला प्रशासन की ओर से अब इस फसल को जीआई टैग दिलाने के प्रयास भी किए जा रहे हैं।

कार्यालय संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधो. विकास मंडल, प्रक्षेत्र-01, गोमतिका परिसर, भोपाल

आम सूचना

हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, नर्मदापुरम तहसील व जिला नर्मदापुरम (म.प्र.) में स्थित भूखण्ड क्रमांक एम.आई.जी.18 मण्डल द्वारा श्री सुदामा प्रसाद मालवीया आत्मज स्व. श्री शिवराम मालवीया के नाम से आवंटित है। उक्त सम्पत्ति का विक्रय विलेख दिनांक 18/12/2003 को एवं लीज नवीनीकरण दिनांक 04/09/2024 को पंजीकृत किया गया है। श्री सुदामा प्रसाद मालवीया का स्वर्गवास दिनांक 20/01/2026 को एवं उनकी पत्नी श्रीमती निर्मला मालवीया का स्वर्गवास दिनांक 29/07/2026 को हो गया है। आवंटी द्वारा अपने जीवनकाल में उक्त सम्पत्ति का पंजीकृत वसीयतनामा अपने पुत्र श्री प्रशांत मालवीया के पक्ष में दिनांक 24/09/2024 को किया गया है। आवेदक आवंटी के पुत्र श्री प्रशांत मालवीया आत्मज स्व. श्री सुदामा प्रसाद मालवीय द्वारा मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, पंजीकृत वसीयतनामा की छायाप्रति, मण्डल का निर्धारित आवेदन पत्र व अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति अपने नाम से नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त दस्तावेजों के आधार पर उक्त सम्पत्ति के नामांतरण की कार्यवाही की जा रही है। यदि उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति/ उत्तराधिकारी/ संस्था/ वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

संपदा अधिकारी, म.प्र. गृह नि. एवं अधो, वि.म. प्रक्षेत्र-1, भोपाल